



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 2488

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0834009

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Aditya Srivastava

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

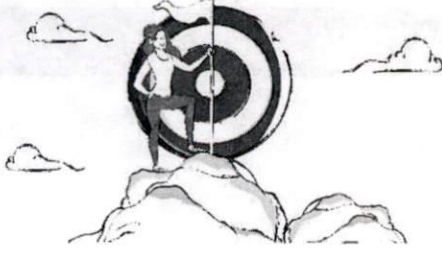
25/8/23

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre IISE, Lucknow

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each :

125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

खण्ड - A / SECTION - A

उम्मीदवारों को
इस ह्राशिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

"A mind all logic is like a knife
all blade, it makes the hand bleed that uses it"

In the 1940s, the World War II was at its peak. During such challenging times, a country and specifically one person had the "brilliant" idea of the Manhattan Project. The ensuing devastation of Hiroshima and Nagasaki made the bigoted brilliance an agent of doom.

That man was Oppenheimer and his brilliance of logical exposition had created a void so deep for USA, it cant be filled by putting the Burj Khalifa in it! Fast forward 70 years and we still see USA struggling with the Non-Proliferation Treaty and the Iran Nuclear deal in its hope against hope of nuclear disarmament.

That level of logic and its exposition is like a knife all blade. It cannot differentiate between what you have the right to do and what is right to do. It is like the ostrich that hides its head in the sand the moment a

light of wisdom is shone at it.

A mind all logic is very good at cost benefit analysis but its incompetence at considering the human being as an end in itself is utterly disgraceful. It is of a lowly origin that kills the human virtues of empathy and compassion and pushes the human into an animalistic existence of using man as a means for selfish gains.

The travesty of ideas caused by Hitler's logic of trying to make Germany great again is a case in point. He was the prodigious assimilation of all human inferiorities

and used the German emotions for his own psychopathic ambitions of dominance. His conviction in his logic did more harm to humanity than any illogical being could have done. Eventually, the iconic picture of a Jewish lady running away from treacherous German kids with horror in her eyes, fills our heart with grief thinking about entire generations losing the virtues of love and compassion.

The roseate ideas not just deny human emotions their rightful place but also obscure our view of reality. All logic so far has convinced us that giving equality of opportunity with freedom

of choice to women would lead to equality of outcomes too! However the on-ground realities refute such rational arguments made from an ivory tower. The Scandinavian countries, who have gone the farthest for gender equality, show that women in science, technology and maths actually decreased from 40% to 25% in past 4 decades as they ramped up their efforts for equity!

Such a figment of imagination created by logic ignores the inherent differences that any two human have. It is simply not possible to treat human as some data points on an excel sheet and expect to get the calculated

outcomes. Such attempts are not just harmful for national policies but also for the individuals happiness.

The inability of the modern human to refute the irrational logic that money can buy all happiness has caught him/her in their own islands of gloom. Relationships have become contractual and materialistic ostentation has become the goal of life.

All such attempts ignore the elephant in the room which has always been trumpeting that real happiness comes not from some hoarded bundles of cash but by sipping your freshly brewed coffee while listening to the sound

of your loved ones.

These modern workoholics caught in their rat race logic of trying to reach the top of the corporate ladder forget the wisdom of our sages that excess of everything is bad. As it is said, it takes more than intelligence to act intelligently, wisdom allows the ostrich to take its head out of sand and face the storm by flying above the clouds like an eagle.

However, such a ^{wise} state of the mind doesn't come as a bolt from the blue. It takes careful analysis of all logic to become the open minded Raja Ram Mohan Roy and question the bleeding of

Women due to the ill-informed customary logic of sati being a proof of the purity of women and her intentions. The jan andolan built by Raja Rammohan Roy required both prudence as well as a sense of justice to uphold the welfare of 50% of the population!

Yet we can see that just analyzing the reasons behind the bleeding of the hand by our knife all blade is like flesh without blood. Delving a steep deeper into why are these knives all blade can help with completeness of our analysis. We see that just like a turtle reverts to its shell when faced with any danger, a human

mind too prefers to stick to its comfort zone and deny any new wisdom which could cause cognitive dissonance. Such a human mind is like a ship stuck at harbour where it is safe but that is not what it's meant for.

Similarly, the self preservation instinct highlighted in Darwin's origin of species prevents the person from undergoing the fatigues of action for the goal of compassion. The bystanders when an accident occurs tend to think more about preserving their sanity from the legal burdens and less about the human touch of saving a life hanging in perils!

On the other hand this is just a half baked cake as we know inherently that logic itself is not all evil. Be it the cost benefit analysis of Bentham's utilitarianism or the launching of our dear Chandrayaan 3, logic and rationality forms an essential component of the human mind. Even our ^{constitutional} fundamental duties exhort us to develop scientific temper and critical thinking.

Synthesizing the necessity of logic with the lack of its sufficiency takes us to the Socratic dialectic methodology of holistic character development via questioning. We

need to question not just the source of our logic and knowledge but also the relevance of that logic for the greater good. Such a holistic rational process has the ability to not just sustain humanity but also to progress towards the higher order goals of self actualization.

In this era of guided missiles and unguided man, the rational blade of knife must be ^{and wisdom-filled} covered by the empathetic wood at the handle to prevent bleeding from any hand that holds it.

Such a heart guided by love and wisdom has the ability to become a trailblazer and make

this knife a brush through which we paint our collective future in brilliant and illuminating hues.

"The world is a tragedy to those who feel but a comedy to those who think"

Franklin D. Roosevelt

Some people see the future as a question of when it will come, others as a question of whether it will.

Modern civilization is a great achievement.

It is the result of the combined efforts of many generations.

We must not let it be destroyed by the selfishness of a few.

We must work together to preserve it for the benefit of all.

Let us strive to make the world a better place for all.

खण्ड - B / SECTION - B

उम्मीदवारों को
इस ह्रासिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

"The world is a tragedy to those who feel but a comedy to those who think"

Erich Fromm, a contemporary thinker, questions the sanity of our social standards in his work - "The Sane Society". He questions our modern consumerist lifestyles and ~~consumerist~~ tendencies and exhorts materialistic us to look inwards to know what we really want from our lives. Just like a snake that doesn't cast its

skin has to die, our stagnant and decadent societies are facing the tragedies of suicides, social ~~ista~~ Cancellation, etc.

On the other hand, a look at the progressive life of Mahatma Buddha (the enlightened one) shows how a journey of introspections and reflections made him not just an idol of sagacity but also a ray of hope for the larger human race.

This makes us question what ~~makes~~ ^{chains} the average Joe down to an experience full of despair? The answer lies in the lives of the average man which is full of attempts to just satisfy the senses and do

what "feels" good at the moment. Such a myopic view of life may give short term gains but eventually leads to long term pain ^{to} of the individual and the world.

People becoming a slave of their feelings and irrationality is not a one off phenomenon but a perpetual observation. It prevents the individual from viewing the objective reality and leads to the mass psychosis of instant gratification. Be it the "modern" hookup culture or the "fast food revolution", the immediate satiety often gives the neurological dopamine reward but eventually leads to a life of indulgence and dejection. It has been shown by the National

Institute of sexual health (USA) that the hookup culture is leading to loss of ability to pair bond in the long term and ~~causing~~ is one of the ^{prime} causes behind high divorce rates of 56% in USA.

Our feelings not just cloud rational thinking but also make ^{us} ~~the~~ sitting ducks to the bullets of selfish propaganda. The flood of feelings of locals is often tapped by terrorist organizations by presenting an emotional view of the reality and often indoctrinate martyrdom as a glory worth achieving. However our prisoners of emotions fail to see through the selfish act and fall for the portrayed facade.

On the other hand, history has been a witness to a series of victories of the scientific man over the romantic man. The sanguine personalities who shake the established truths are the ones who see the comedy that the world offers and end up making the world a better place for others too. The dark ages of Europe are a case in point where the people who were just feeling were being trampled upon but by the Ptolemaic truths and the excesses of the Church. The thinking brain of Galileo not just put forth heliocentricity and ~~shake~~^{shook} the foundation of the Church but also sowed the seeds for the future Renaissance and the Age of light.

This shows us how a single person may not be able to move a mountain but can cast a stone to create ripples in the water. In fact, water itself has been a source of tragedy for millions due to the feelings of purity and pollution linked to caste. The treacherous lives of ascriptive tyranny fill our hearts with grief just thinking about it.

Yet, as it is said that actions speak louder than words, the rationality of Dr. Ambedkar led to the Mahad Satyagraha and ameliorated the pain of those on his own boat by just picking a drop of water!

The world feels a comedy to those who can think because

they are not petrified by what life throws at them. They tend to look at the lighter side of ~~things~~ things and have faith in their own ability to break mountains. They tend to know the power of thoughts and how in reality it is the poets that are the unacknowledged legislators of the world. Their deep understanding of life gives them the necessary insights and confidence to see the comedy that the real world is!

Such a deep understanding was shown by Gandhi during our freedom struggle. He understood that non-violence was the sine qua non for a successful movement lest the British should suppress it effectively by force. The withdrawal

of Non Cooperation movement post Chauri Chaura not just made Gandhi the credible ~~not~~ mahatma of the masses, but also inspired generations to come like Nelson Mandela or Martin Luther King Jr.

Despite the prudent understanding, we see that only once in a blue moon we get to see such thinkers who aren't caught in the tragedy of their times. This makes us question what stops the common man from breaking his shackles and freeing himself from the feel-good slow poison being given to him?

Our human evolution offers an insight into the reasons behind such instinctive reactions in

place of thoughtful response. As Carl Jung said that us humans are governed by two sovereign masters - pain and pleasure - the pleasure of "safety in numbers" and avoidance of pain of the "road not taken" and its uncertainty forces the individual to stick to the crowd psychology and herd mentality.

This is one of the reasons behind vices of religious fanaticism and others discussed above. Delving one step deeper we see that it needs heart of a lion and resolve of steel to face the social ostracization as faced by Socrates (drank hemlock) or Galileo. Such challenges strike at the core of our evolutionary zeal to live and stifle any opportunity of thinking out of the box.

However, ships only sink because of water that gets into them and not the water that surrounds them.

This highlights the importance of internal resolve of a person to move from the category of "feelers" to "thinkers" and motivates us to imbibe virtues in our character and prevent vices from infiltrating our soul.

Apart from rationality and prudence, this calls for introspection as said by Socrates - "an unexamined life is not worth living". This forces us to think about the source of all our tragedies and how our own desires and expectations are the root cause of all those sufferings. It exhorts us to imbibe the value

of thoughtful temperance as the Earth doesn't have enough for any one's greed.

Seeing eye to eye with this is the value of altruism which leads us to the path of satisfaction of conscience. While many corporates are busy exacerbating the tragedies of the world by their profiteering, the wise TATA group is making it a place worth living through its CSR and altruistic actions.

The need here is to abandon the fig-leaf of hideous emotions and build an emotional quotient which makes those emotions work for you rather than against you. This will help to make the world

a comedy not just for the thinkers
but also for the people around them.
This is because it is the duty of
these comedians to ameliorate the
tragedies of the commons by leading
the orchestra of life using their
abilities to turn their backs to the
noise of the crowd and see through
the chimera of all facade.

उम्मीदवारों को
इस हिसिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

... of the ...
... for the ...
... because it is the only ...
... of ...
... of the ...
... of the ...
... to ...
... of the ...
... of all ...

World is a tragedy for those who feel & comedy for those who think.

SPACE FOR ROUGH WORK

Intro

Erich Fromm → Sane Society questions sanity of our social standards. Contrast with Buddha.

History as a series of victories of scientific vs romantic

SANGUINE

Comedy of thinkers: Man cannot survive only on bread; Nietzsche → needs meat too

sagacity
Sanguine

Body

→ slave of your feelings → objective reality.

rational seneca → Maus psychosis → only fans. instant gratification burger or hookup.

once in a blue moon.

→ become the turkey to the arrow of selfish propagandas - terrorism.

heart of lion & resolve of steel

→ Legal angle - not rational basis → simply living in the centre.

Ambedkar - Mahad.

→ Transition - History as a series of → Dark age Galileo's Dark ages.

→ sagacity of those who think leads to new world order ⊕ inspires generations. → Gandhi → Martin Luther.

→ Move a mountain → cast a stone to create ripples → Ambedkar Mahad Satyagraha.

Once in a blue moon. Why only few thinkers

→ heart of lion & resolve of steel → face backlash.

→ "safety in numbers" - pain & pleasure.

Scrutinized

→ temperance - know what's need vs greed.

→ altruism - for real satisfaction of conscience.

→ introspection for own examination → unexamined life not worth living.

Conc

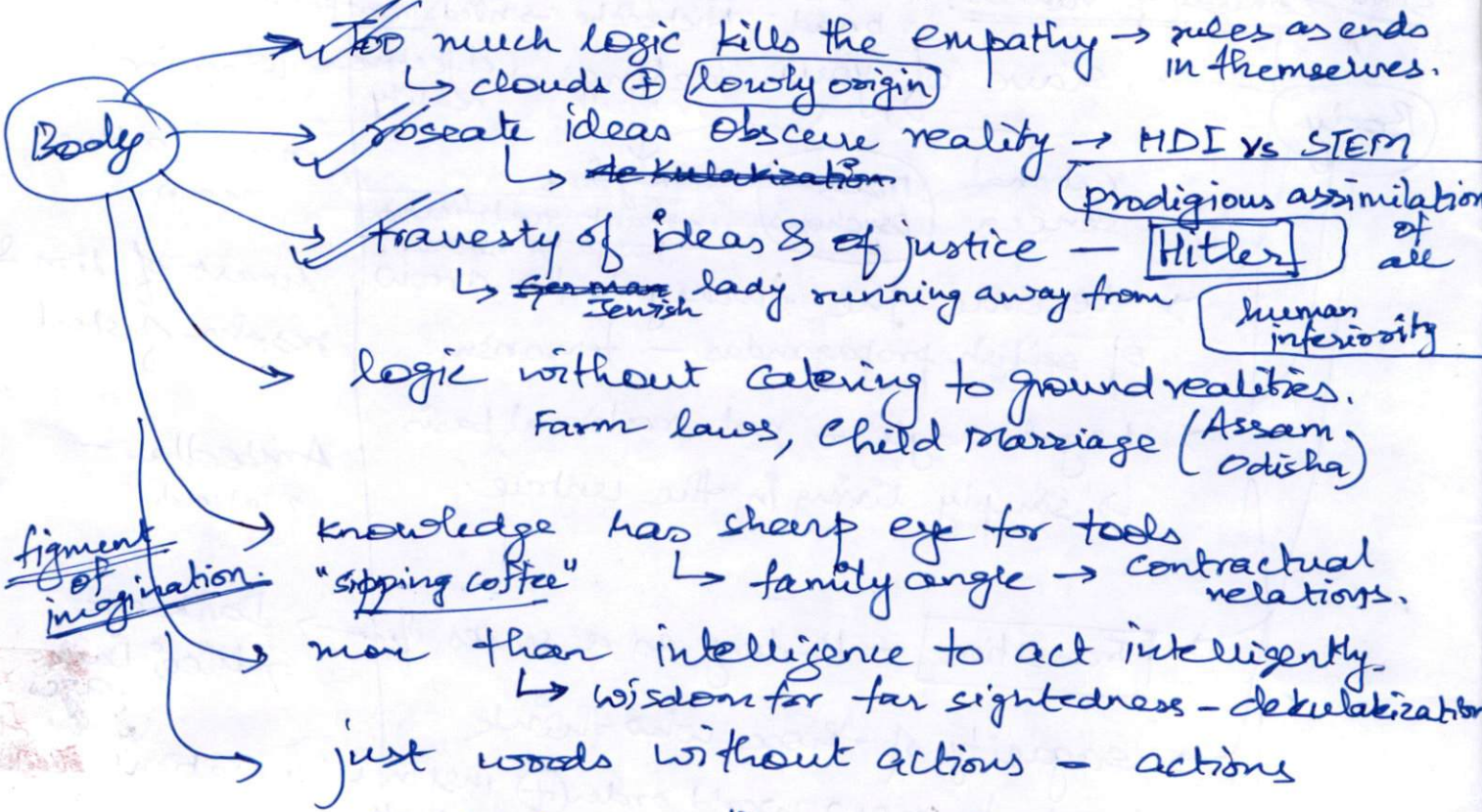
→ duty of comedians to ameliorate the tragedies of the commons → lead the orchestra using their ability to see through the facade & turn their back to the crowd.

A mind all logic is like a knife all blade,
 makes the hand bleed which uses it

SPACE FOR ROUGH WORK

Intro → **Oppenheimer** - Nuclear bomb - Manhattan project - right to do vs right thing to do.
 - Fast forward 70 years - US trying for Iran deal, NPT.

⊗ Logic is cost benefit analysis = Bentham utilitarian



Speak louder than words.

Flesh vs blood.

Why all logic → **unidimensional** view from own turtle shell → ship stuck at harbour → not see the holistic picture.

↓
 ability of empathy
 human touch missing

Half baked **Logic necessary** → separate wheat from chaff
 ↳ terrorist propaganda.

Synthesis → Dialectic; values inculcation → school
 questioning the **source** of that logic → introspect

Conclusion → guided missile & unguided man